भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1187

13 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

देश में मेट्रो रेल की वित्तीय स्थिति

1187 श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कितनी मेट्रो प्रणालियां वर्तमान में घाटे में चल रही हैं और सरकार द्वारा उन्हें लाभकारी बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) पिछले पांच वर्षों में मेट्रो रेल नीति, वर्ष 2017 में उल्लिखित पूंजीगत लागतों के वित्त पोषण के लिए कितनी मेट्रो प्रणालियों ने बॉन्ड बाज़ार के माध्यम से धन जुटाया है और किस सीमा तक धन जुटाया है; और

(ग) क्या आवासन और शहरी कार्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति के 13वें प्रतिवेदन में यह सिफारिश की गई थी कि सरकार को मेट्रो को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए कि वह जहां तक संभव हो बिजली अनिवार्य रूप से नवीकरणीय ऊर्जा से ही प्राप्त करे, यदि हां, तो ऐसा करने वाली कितनी मेट्रो हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री कौशल किशोर)

(क) : देश में कुल 08 (आठ) मेट्रो रेल निगम परिचालन में हैं, जो केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकार के 50:50 संयुक्त उद्यम विशेष प्रयोजन तंत्र (एसपीवी) हैं, इस समय घाटे में चल रहे हैं।

भारत सरकार ने व्यापक और स्थायीबद्ध तरीके से मेट्रो रेल प्रणालियों की व्यवस्थित आयोजना और कार्यान्वयन के लिए मेट्रो रेल नीति-2017 जारी की है। कमाई बढ़ाने के लिए, नीति में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी), वैल्यू कैप्चर फाइनेंस (वीसीएफ), वाणिज्यिक/संपत्ति का विकास, विज्ञापन, जगह को पट्टे पर देने आदि के माध्यम से वित्तपोषण के अभिनव तरीके अपनाने का अधिदेश है। मेट्रो रेल में यात्रा करने को प्रोत्साहित करने के लिए, नीति में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि मेट्रो रेल प्रस्तावों में फुटपाथ, गैर-मोटर चालित परिवहन (एनएमटी) अवसंरचना आदि के माध्यम से फीडर सिस्टम और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी को शामिल किया जाए।

(ख) किसी भी मेट्रो रेल निगम, जिसमें केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकार का 50:50 संयुक्त उद्यम विशेष प्रयोजन तंत्र (एसपीवी) है, ने पूंजीगत लागतों को वित्तपोषित करने के लिए पिछले पांच वर्षों में बांड बाजार के माध्यम से धनराशि नहीं जुटाई है।

(ग) जी, हां। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से अपनी बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभिन्न परिचालन मेट्रो रेल निगमों, जो केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकार के 50:50 संयुक्त उद्यम विशेष प्रयोजन तंत्र (एसपीवी) हैं, द्वारा किए गए उपाए अनुलग्नक-I में दिए गए हैं।

****

अनुलग्नक-I

देश में मेट्रो रेल की वित्तीय स्थिति के संबंध में दिनांक 13.02.2023 के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1187 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से अपनी बिजली की आवश्यकता पूरी करने के लिए विभिन्न मेट्रो रेल निगमों द्वारा किए गए उपाय

क्र. सं.	मेट्रो रेल निगम का नाम	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली की आवश्यकता पूरी करने के लिए किए गए उपाय
1	दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (डीएमआरसी)	डीएमआरसी ने सूचित किया है कि वे दिसंबर, 2019 से ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों से अपनी दैनिक ऊर्जा आवश्यकताओं का 65% पूरा कर रहे हैं और रूफटॉप सौर संयंत्रों से सौर ऊर्जा का उपयोग करने के प्रयास अगस्त 2014 में ही शुरू कर दिए गए थे। भविष्य के सभी एलिवेटेड स्टेशनों और डिपो की छत पर सौर संयंत्र लगाने की योजना है।
2	बैंगलोर मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (बीएमआरसीएल)	बीएमआरसीएल ने सूचित किया है कि 3,80,344 यूनिट की औसत दैनिक बिजली खपत में से, लगभग 5344 यूनिट 1.5 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप फोटोवोल्टिक सिस्टम (सौर ऊर्जा) द्वारा उत्पन्न होती है, जो वर्तमान में रीच-4 एक्सटेंशन के 5 स्टेशनों पर संस्थापित है। इसके अलावा, रेस्को मॉडल के तहत 20 मेगावाट क्षमता के लिए मेसर्स सोलर क्वेस्ट एलएलबी को ठेका दिया गया है। इससे लगभग 11.2% बिजली की आवश्यकता की पूर्ति नवीकरणीय स्रोत से होगी।
3	चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल)	सीएमआरएल ने सूचना दी है कि चेन्नई मेट्रो में ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों (सौर) की कुल संस्थापित क्षमता 6.4 मेगावाट है। पिछले वर्ष की तुलना में सीएमआरएल की सौर ऊर्जा खपत कुल ऊर्जा खपत का 6.15% था।
4	उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (यूपीएमआरसीएल)	यूपीएमआरसीएल ने सूचना दी है कि लखनऊ मेट्रो में एक मेगावाट के सोलर पैनल लगे हैं ।
5	कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल)	केएमआरएल ने सूचित किया है कि वे सौर ऊर्जा के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। केएमआरएल ने 10.58 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित की है, जिससे 50% ऊर्जा मिल रही है।

6	गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल)	जीएमआरसी ने सूचित किया है कि उनके पास 200 किलोवाट रूफटॉप सौर पैनलों की संस्थापित क्षमता है।
7	महाराष्ट्र मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (महा मेट्रो)	नागपुर मेट्रो ने सूचित किया है कि उन्होंने 4.5 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सौर पैनल स्थापित किए हैं।
8	नोएडा मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (एनएमआरसी)	एनएमआरसी ने सूचित किया है कि उन्होंने सौर ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए एनएमआरसी स्थानों पर 25 वर्षों के लिए 3.25 रु. प्रति किलोवाट की दर से सौर ऊर्जा प्रदान करने के लिए निजी डेवलेपर नियुक्त किए हैं।

****